पत्र लेखन - औपचारिक पत्र

नारों और पोस्टर से शहर की गंदी हुई दीवारों को दर्शाने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

दिनांक:..............

सेवा में,

संपादक महोदय,

दैनिक हिंदुस्तान,

कस्तूरबा गाँधी मार्ग,

नई दिल्ली

विषय: नारे लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हुई दीवारें की तरफ़ ध्यान दिलाने हेतु पत्र।

श्रीमान जी,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र द्वारा शहर की दीवारों पर चिपके हुए पोस्टर और उनसे फैली गंदगी की ओर ध्यान दिलवाना चाहता हूँ प्रशासन के अधिकारियों के सम्मुख रखना चाहता हूँ। कृपया अपने पत्र में इसे उचित स्थान पर प्रकाशित करके अनुग्रहित करें।

चुनाव की सरगर्मियों के कारण जिधर देखो उधर पोस्टर चिपके दिखाई देते हैं। पोस्टरों से सभी कुछ ढक गया है। गलियों में, मार्गदर्शक चित्रों आदि पर भी पोस्टर चिपके दिखाई देते हैं। इससे किसी आगंतुक को किसी स्थान का पता आदि ढूँढ़ना कठिन हो गया है। साथ ही शहर की सुंदरता समाप्त हो गई है। इस तरह के चुनावी प्रचार लोगों की मुसीबत का कारण बन गए हैं। ये लोग जहाँ चाहे वहाँ पोस्टर व चुनावी नारे लिख देते हैं। इन पर प्रशासन का कोई दबाव नहीं होने के कारण यह मनमानी करते हुए स्थानों की शोभा को बर्बाद कर रहे हैं। विदेशों से आने वाले लोगों के सम्मुख भी देश की छवि खराब होती है। ऐसा करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए। प्रशासन को चाहिए कि इन नेताओं व प्रत्याशियों के विरूद्ध कड़ाई से पेश आए ताकि अपने शहर को गंदा करने से बचाया जा सके।

आपसे निवेदन है कि अपने समाचार पत्र में इसे छाप कर राजनैतिक दल के कार्यकर्त्ताओं को सावधानी बरतने के लिए कहा जाए। साथ ही प्रशासन का ध्यान भी इस तरफ़ दिलाया जा सके।

धन्यवाद,

भवदीय,

क.ख.ग

अपने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की कमी को दर्शाने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

मोती बाग, नई दिल्ली।

दिनांक : ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

दैनिक हिंदुस्तान,

कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली

विषय: बिजली आपूर्ति की कमी को बताने हेतु पत्र।

श्रीमान जी,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र द्वारा शहर में उत्पन्न बिजली संकट की ओर ध्यान दिलाकर, इससे होने वाली कठिनाईयों का विवरण बिजली अधिकारियों और सरकार तक पहुँचाना चाहता हूँ। कृपया अपने समाचार पत्र में इसे उचित स्थान पर प्रकाशित करके अनुग्रहित करें।

हर साल की तरह इस साल भी गर्मी का प्रकोप बहुत है। हमारे क्षेत्र में गर्मी के आगमन के साथ ही बिजली का संकट उत्पन्न हो जाता है। पूरे दिन में कुछ ही घंटे बिजली आती है। बाकी समय पर हमारे क्षेत्र से बिजली की पूर्ति बंद कर दी जाती है। घरों में बिजली न होने के कारण बहुत सारी समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। घर में रह रहे लोगों का तो गर्मी से बुरा हाल हो जाता है। रात में बिजली न होने के कारण बच्चों की पढ़ाई भी नहीं हो पाती। लोगों के जीवन में इससे बहुत बुरा असर पड़ रहा है। बिजली नहीं होती तो पानी की सप्लाई भी नहीं हो पाती है। हमने इस तरफ़ बिजली विभाग के सभी उच्च अफसरों का ध्यान दिलाना चाहा परन्तु उनकी अनदेखी वैसी की वैसी बनी हुई है।

कृपया करके अपने समाचार पत्र में इसे छाप कर बिजली विभाग व सरकार को इस ओर ध्यान दिलवाने का प्रयास करें ताकि हमारा क्षेत्र इस समस्या से छुटकारा पा सके।

धन्यवाद,

विनय

बढ़ते भ्रष्टाचार पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए संपादक को पत्र लिखिए।

479, ए-ब्लाक,

सरोजनी नगर,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

7, बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

दरियागंज,

नई दिल्ली-110002

विषय:समाज व देश में बढ़ते भ्रष्टाचार पर ध्यान दिलाने हेतु पत्र।

महोदय,

आपका समाचार पत्र दिल्ली में सबसे लोकप्रिय है। मैं इस समाचार पत्र के द्वारा समाज व देश में बढ़ रहे भ्रष्टाचार की ओर पूरे दिल्लीवासियों और सरकार का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता हूँ। आम व्यक्ति इसके प्रति सचेत होकर इससे मुक्ति पाने का प्रयास कर सके, यही मेरा उद्देश्य है।

आज समाज और देश में प्रत्येक स्थान पर भ्रष्टाचार का प्रभाव बढ़ रहा है। किसी भी सरकारी व गैर सरकारी विभाग में अपने कार्य को करवाने के लिए रिश्वत का चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। पहले गलत कार्य को करवाने के लिए रिश्वत देना का चलन था। परन्तु अब तो हर सही-गलत काम के लिए रिश्वत माँगी जाने लगी है। इससे हमारे समाज में और देश में भ्रष्टाचार घर करने लगा है। गरीब आदमी अपने काम के लिए पैसा नहीं दे सकता है तो वह रोता है। गलत आदमी पैसे के दम पर मौज कर रहा है।

रिश्वत लेने के कारण व्यक्ति के अंदर लालच बढ़ रहा है और इंसानियत घट रही है। पैसों को पाने के लिए उसके अंदर नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है। यदि वह स्वयं भ्रष्ट है तो अपने बच्चों को कैसे सभ्य मनुष्य बना पाएगा। समाज की यह गिरती दशा बहुत शोचनीय है।

अत: मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस लेख को अपने समाचार पत्र में छापें ताकि प्रशासन इस तरफ़ कोई ठोस कदम उठाए। समाज को भी इस लेख से कुछ सीख मिले ताकि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ा जा सके।

धन्यवाद,

भवदीय,

शशांक सिंह

गंदे पीने के पानी की सप्लाई की समस्या दर्शाने हेतु संपादक को पत्र।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक:............

सेवा में,

संपादक महोदय,

दैनिक हिंदुस्तान,

कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

विषय: शहर में गंदे पीने के पानी की हो रही सप्लाई के लिए शिकायती-पत्र।

श्रीमान जी,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र द्वारा शहर में गंदे पीने के पानी की हो रही सप्लाई की ओर ध्यान आकृष्ट करवाना चाहता हूँ। कृपया इस समस्या को अपने समाचार पत्र में उचित स्थान पर प्रकाशित करके अनुग्रहित करें।

दिल्ली शहर में आज जगह-जगह गंदे पीने के पानी की सप्लाई हो रही है। पानी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को यह पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कहीं जगह में पानी का रंग पीला तो कहीं पर काला होता है। इसको कितना भी उबाल लिया जाए परन्तु इसकी स्वच्छता पर विश्वास नहीं किया जा सकता। ऐसे पानी का सेवन करने से बच्चों और बड़ों में हैज़ा, उल्टी, दस्त, पीलिया, टाइफाइट आदि बीमारियाँ देखने में आई हैं। लोगों द्वारा इस दिशा में कई कदम उठाए गए परन्तु प्रशासन की तरफ़ से हो रही अनदेखी वैसी की वैसी बनी हुई है। लोगों को गंदे पानी पीने के अतिरिक्त कोई और विकल्प नहीं है।

अत: आपसे निवेदन है कि अपने समाचार पत्र में इसे छाप कर प्रशासन का ध्यान इस तरफ़ दिलाने का प्रयास करें ताकि आम जनता को पाने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाया जा सके।

धन्यवाद,

भवदीय,

क.ख.ग

मोहल्ले में चोरियों व लूटपाट की रोकथाम हेतु थानाध्यक्ष को गश्त बढ़ाने के लिए पत्र लिखिए।

साकेत, दिल्ली

दिनांक...........

सेवा में,

थानाध्यक्ष,

साकेत पुलिस पुलिस स्टेशन,

नई दिल्ली।

विषय : गश्त बढ़ाने हेतु निवेदन।

महोदय,

मैं इस पत्र के माध्यम से साकेत के आस-पास के इलाके में हो रही चोरियों और लूटपाट की घटनाओं की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ। हमारे इलाके में आए दिन घरों के दरवाजे टूट जाते हैं तो कभी दुकान के ताले टूट जाते हैं। दिन दहाड़े चोर घरों में घुस जाते हैं और जमकर लुटपाट करते हैं।

बाज़ार में चलती हुई स्त्रियों के गले से चैन खींच ली जाती है। गली में खड़ी गाड़ियों के स्टीरियों और स्कूटर और बाईक आदि सभी कुछ चोरी हो जाता है। यदि कोई इन चोरों का विरोध करता है तो उस व्यक्ति के साथ मार-पिटाई की जाती है। हमारे क्षेत्र में यह रोज़ की बात हो गई है।

आपसे निवेदन है कि हमारे क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराधों की रोकथाम के लिए कदम उठाएँ जाएँ। पुलिस जो दिन में केवल एक बार गश्त लगाती है। उसके द्वारा गश्त की संख्या कम-से-कम दिन में पाँच बार बढ़ा दिए जाएँ। तीन-चार सिपाहियों की गश्त होने से शायद यह परेशानी कम हो जाए। दिन और रात में पुलिस की गाड़ी भी चक्कर लगाए। हमें आशा है कि आप हमारी परेशानी को समझेंगे और समुचित सुरक्षा प्रंबध करेंगे। अत्यन्त आभार के साथ धन्यवाद।

भवदीय,

अ.ब.स

मोहल्ला समिति

बस चालाक के बुरे व्यवहार के लिए परिवहन विभाग को शिकायती पत्र।

1010 आर.के.पुरम

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य प्रबंधक,

दिल्ली परिवहन निगम,

नई दिल्ली।

विषय: बस चालाक के बुरे व्यवहार के लिए शिकायती पत्र।

महोदय/ महोदया,

मेरा नाम चंचल है। मैं आर. के. पुरम की निवासी हूँ। मैं कल बस नंबर 610 से सरोजनी नगर बस डिपो जा रही थी। हमारी बस का चालाक बस चलाते हुए यातायात के नियमों की अनदेखी कर रहा था। वह इतनी तीव्रगति से बस चला रहा था कि बस में बैठे सभी यात्री भय से ग्रस्त थे। उसे इस बात का ज़रा भी आभास नहीं था कि बस में बच्चे और वृद्धजन भी बैठे हुए हैं। उसके इस तरह तेज़ी से गाड़ी चलाने के कारण उन पर विपरीत असर पड़ रहा है। वह बात-बात पर चिल्ला रहा था। तीव्रगति से गाड़ी चलाने में उसे बहुत आनंद आ रहा था।

सबके द्वारा उसका विरोध किए जाने पर वह सबके साथ ही अभद्रपूर्ण व्यवहार करने लगा। स्टेंड आने पर न तो वृद्धजनों के लिए बस रोकता था और न ही सही गंतव्य आने पर बस रोकता। कई बार उसकी लापरवाही से दुर्घटना होते-होते बची। परन्तु उसे इसकी कोई चिंता नहीं थी। बस चालक के इस व्यवहार से हम सभी यात्री बड़े अप्रसन्न हुए।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप दिल्ली परिवहन निगम की तरफ़ से उसे दण्डित करें। आपके इस कदम द्वारा अन्य बस चालकों के लिए मिसाल कायम होगी और सभी अपने कर्त्तव्यों का पालन कुशलतापूर्वक करेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

चंचल

घर में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाने हेतु थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिंनाक ....

सेवा में,

थानाध्यक्ष महोदय,

यमुना विहार पुलिस स्टेशन,

नई दिल्ली।

विषय: चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाने हेतु शिकायती पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि यमुना विहार मकान न. 1425/बी, गली न. 261 में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराना चाहता हूँ। मेरा नाम बंसीलाल शर्मा है। मैं हिन्दी विभाग में क्लर्क हूँ। चोरी की घटना मेरे घर में हुई है।

दिनांक .... को हम सब घरवाले बाहर गए हुए थे। चोरों ने घर में कोई न देख ताला तोड़कर घर से 1 लाख के गहने व 20 हज़ार रुपये चोरी कर लिए हैं। यह घटना रात के दस बजे से लेकर ग्यारह बजे के आस-पास की है। हमारे आप-पड़ोस के अनुसार दस बजे तक तो सभी बाहर घूम रहे थे, यदि ऐसा होता तो उन्हें अवश्य पता चलता और ग्यारह बजे हम सपरिवार समेत हम घर लौट आए थे।

हमारे घर के दरवाज़े पर लगा ताला तोड़ा गया था क्योंकि ताला पास में ही टूटा पड़ा था। घर में सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर मानो पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने अलमारी का ताला किसी अन्य चाबी से खोला था क्योंकि अलमारियाँ की सभी चाबियाँ हमारे पास थी। हमें कुछ समझ नहीं आ रहा है, ऐसा काम किसने व क्यों किया है?

हम आशा करते हैं कि आप हमारा दुख समझेगें और यह रिपोर्ट दर्ज करेंगे। शीघ्र ही चोरों का पता लगाने का प्रयास करें और चोरों को पकड़कर हमारा सारा समान हमें वापस दिलवाएँ।

धन्यवाद,

भवदीय,

बंसीलाल शर्मा,

अवैध निर्माण कार्य के विषय में दिल्ली नगर निगम को सूचित करते हुए पत्र लिखिए।

मकान न. 25, शांति-निकेतन।

दिनांक: ....

सेवा में,

महाप्रबंधक,

दिल्ली नगर निगम,

सिविल लाइन्स,

दिल्ली।

विषय: पड़ोस में हो रहे अवैध निर्माण कार्य के विषय में सूचित करने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं शांति-निकेतन क्षेत्र का निवासी हूँ। हमारे पड़ोस में कराए जा रहे अवैध निर्माण से परेशान हूँ। पिछले एक माह से हमारे पड़ोसी अपने भवन में एक और मंजिला का निर्माण करवा रहे हैं। हमारे पड़ोसी का भवन चार मंजिला है। नियमों के अनुसार भवन निर्माण में इमारत चार मंजिला और उसकी कुल लम्बाई 15 मीटर होनी चाहिए। परन्तु वह नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, इसकी कुल लम्बाई 15 मीटर है। इमारत की मज़बूती पर भी संदेह है। यदि समय रहते इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, तो यह इमारत ढह भी सकती है। इसकी देखा-देखी अन्य भवन मालिक भी ऐसा कर सकते हैं। इस मंज़िल के निर्माण के कारण मेरा परिवार बहुत दुखी है क्योंकि यदि इस इमारत को कुछ होता है तो मेरा भवन भी इसकी चपेट में आ सकता है।

अत: आपसे निवेदन है कि इस ओर जितनी शीघ्र हो सके कार्यवाही की जाए और इस अवैध निर्माण को रोका जा सके। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,

राजेश वर्मा

डाकपाल अधिकारी को डाक-वितरण की अनिमियता के लिए पत्र।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र

दिनांक: …………

सेवा में

पोस्टमास्टर,

मुख्य डाकघर,

कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

विषय: डाक-वितरण में अनिमियता के लिए पत्र।

महोदय,

मैं कीर्ति नगर का रहने वाला हूँ। मेरा नाम गोपाल राय है। हमारे क्षेत्र में डाक-वितरण में अनिमियता और डाक बाटने में हो रही लापरवाही की तरफ़ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

हमारे क्षेत्र में चार माह पूर्व घनश्यामदास नाम का डाकिया डाक-वितरण करता था। उसके होते हुए डाक-वितरण का कार्य बड़े सुचारु रूप से चलता रहा। उसके चले जाने के पश्चात श्यामसुंदर नाम के डाकिए ने कार्यभार संभाला है। इसके आते ही डाक-वितरण की सारी व्यवस्था निराशाजनक हो गई है। यह डाकिया तीन-चार दिन में एक बार डाक बाँटने आता है। इस कारण पत्र हमें बहुत समय पश्चात मिलते हैं। यही नहीं, वह डाक कभी घरों में जाकर नहीं देता अपितु किसी भी एक व्यक्ति को देकर चला जाता है। उसका कार्य उस व्यक्ति को करना पड़ता है। यदि वह हमारे क्षेत्र का न होकर बाहर का व्यक्ति होता है तो वह भी डाक वहीं फेंककर चला जाता है। ऐसा कई बार हुआ है कि हमारे महत्वपूर्ण पत्र हमें नहीं मिल पाए हैं। उसकी इस लापरवाही वाले रवैये से सभी बहुत दुखी हैं। अत: हारकर हमें आपको पत्र लिखना पड़ रहा है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप हमारी इस समस्या की ओर ध्यान देंगे और उक्त डाकिए को दण्डित करेंगे।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

गोपाल राय

मनीआर्डर पहुँचा नहीं है, इस विषय में पोस्ट मास्टर को पत्र लिखिए।

पता: ....

दिनांक: ....

सेवा में

पोस्टमास्टर,

मुख्य डाकघर,

गोल मार्किट, नई दिल्ली।

विषय: मनीआर्डर समय पर नहीं पहुँचने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैंने आपके डाकघर से दिनांक .... अपने देहरादून स्थित निवास स्थान पटेल नगर के लिए 3000 रुपये का मनीआर्डर कराया था। मेरा नाम राधेश्याम है व रसीद क्रमांक है- सी-546982।

मैं एक गरीब घर का युवक हूँ। प्रत्येक माह अपने वेतन से पैसे बचा-बचाकर भेजता हूँ। मेरे द्वारा कराए गए मनीआर्डर को एक महीने से अधिक हो गया है। वह अब तक मेरे परिवारवालों तक नहीं पहुँचा है। इस समय मेरे पिताजी की तबीयत ठीक नहीं है। मेरे घर वालों को उनके इलाज के लिए रुपयों की सख्त आवश्यकता है।

आपसे प्रार्थना है कि मेरा मनीआर्डर समय पर न पहुँचने के कारण का पता लगाएँ और उसे शीघ्र मेरे घर तक पहुँचाने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

राधेश्याम

दिल्ली की अंतर्राज्यीय बसों में अतिरिक्त किराया वसूले पर परिवहन विभाग के अधिकारी को पत्र।

236, मोती बाग,

नई दिल्ली-22

दिनांक: ....

सेवा में,

महाप्रबंधक,

दिल्ली परिवहन निगम,

आई.पी.स्टेट

नई दिल्ली-1100022.

विषय: डी.टी.सी. की अंतर्राज्यीय बसों में कंडक्टरों द्वारा मनचाहा किराए वसूलने हेतु शिकायती-पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मेरा नाम कौशल है। मैं मोती बाग में रहता हूँ। मैं आपका ध्यान डी.टी.सी. की अंतर्राज्यीय बसों में कंडक्टरों द्वारा मनचाहा किराया वसूलने की ओर आकृष्ट करवाना चाहता हूँ।

मैं हर साल गर्मियों की छुट्टियों में मसूरी अपने पैतृक जन्मस्थान जाता हूँ। इस बार गर्मियों की छुट्टियों में मैं अपने परिवार सहित दिल्ली के अंतर्राज्यीय बस अड्डा 'आई.एस.बी.टी' पहुँचा। दिल्ली से मसूरी जाने वाली सीधी बस 10.30 बजे रात्रि की है। इसलिए मैं 9 बजे वहाँ पहुँच गया। गर्मियों की छुट्टियों के कारण कई परिवार पर्वतीय स्थलों में घूमने जा रहे थे। अत: वहाँ पर बहुत भीड़-भाड़ थी। सारी बसें आते ही भर जाती थीं।

मैं मसूरी जाने वाले बस कंडक्टर के पास पहुँचा मैंने उससे चार सीटें माँगी। उसने यह कहकर मुझे मना कर दिया की सारी सीटें बुक हो चुकी है। मैंने अपनी परेशानी बताते हुए, उससे सहायता मांगी। वह मुझे सीटें देने के लिए राज़ी हो गया परन्तु इसके बदले उसने मुझसे 500 रुपये अतिरिक्त माँगे। उसके अनुसार ऐसे बहुत से लोग हैं जो उसको अतिरिक्त पैसे दे देगें। तंग आकर और परिस्थिति देखकर मुझे उसके सम्मुख झुकना पड़ा क्योंकि हर बस में यही हाल था।

अत: आपसे निवेदन है कि मनमानी किराया वसूली पर रोक लगाई जाए और ऐसे कंडक्टरों को दण्डित किया जाए।

धन्यवाद,

भवदीय,

कौशल नेगी

पासबुक खो जाने पर बैंक प्रबंधक को दूसरी पासबुक बनवाने हेतु पत्र लिखिए।

पता: ....

दिनांक................

सेवा में,

बैंक प्रबंधक,

पंजाब नेशनल बैंक,

आर.के.पुरम,

नई दिल्ली-110022

विषय: नई पासबुक बनाने हेतु प्रार्थना-पत्र।

मान्यवर,

आपसे सविनय निवेदन यह है कि मेरा नाम कपिला है। मैं आर.के.पुरम की निवासी हूँ। आपके बैंक में मेरा एक बचत खाता है। मेरा खाता संख्या 2056987445 है। यह खाता मेरे ही नाम पर है। पिछले हफ़्ते इसकी पासबुक मुझसे कहीं खो गई है। मैंने बहुत प्रयास किया परन्तु मैं उसे ढूँढ़ने में असफल रही हूँ। मुझे अपने खाते मैं डाले गए पैसों के विवरण की जानकारी चाहिए। वह मुझे उसी से मालूम हो सकती है।

अत: आपसे वित्रम निवेदन है कि आप इस खाते की दूसरी पासबुक बनाकर मुझे शीघ्र दें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,

कपिला,

पुस्तक विक्रेता को पुस्तकें मँगवाने के लिए पत्र लिखिए।

231/3, लोधी रोड़,

दिनांक: ....

सेवा में,

व्यस्थापक,

जीवन पब्लिशिंग हाऊस प्रा. लि.,

4809-11, अंसारी रोड़

दरियागंज,

नई दिल्ली-110002

विषय: पुस्तक मँगाने हेतु पत्र।

महोदय,

आपसे सविनय निवेदन यह है कि मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की शीघ्र आवश्यकता है। मेरी कक्षा आगामी सप्ताह से आरंभ होने वाली है। मैंने इन पुस्तकों की अग्रिम राशि 500 रुपये मनीआर्डर के द्वारा दिनांक .... को भेज दी है। आपको वह राशि अब तक मिल गई होगी। आपसे अनुरोध हैं कि ये पुस्तकें जितना शीघ्र हो सकें आप वी.पी.पी. से भेज दें। पुस्तकें भेजने से पहले यह सुनिश्चित कर लीजिएगा कि पुस्तकें नए संस्करण की हों, कटी-फटी न हों और पुस्तकें कवर चढ़ी हों। इस पत्र के साथ पुस्तकों की सूची भेज रही हूँ। वे इस प्रकार है-

1. अंग्रेजी व्याकरण (कक्षा: नौवीं) 1 प्रति

2. हिंदी व्याकरण (कक्षा: नौवीं) 1 प्रति

3. संस्कृत व्याकरण (कक्षा: नौवीं) 1 प्रति

4. समाजिक विज्ञान गाइड (कक्षा: नौवीं) 1 प्रति

5. कंप्यूटर विज्ञान (कक्षा: नौवीं) 1 प्रति

आपसे वित्रम निवेदन है जितनी शीघ्र हो सकें, ये पुस्तकें भिजवा दें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद

भवदीय

लक्ष्मी बिष्ट

क्षेत्र की सफाई अव्यवस्था से तंग आकर नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।

मुनिरका।

दिनांक...................

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी,

दिल्ली नगर निगम,

मुनिरका।

विषय: सफाई की अव्यवस्था को दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय,

इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान मुनिरका क्षेत्र की सफाई की अव्यवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में जगह-जगह पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। स्थान-स्थान पर रखे गए कूड़ेदान से कूड़े की अब तक निकासी नहीं हुई है। गंदगी के ढेर हो जाने के कारण कूड़ा सड़कों पर फैलने लगा है। इस गंदगी के कारण चारों तरफ़ बदबू आती रहती है। कूड़े में आवारा पशुओं का भी डेरा होने लगा है।

इस ढेर पर मक्खियाँ, मच्छर और कीड़े-मकोड़े भी पनप रहे हैं।

छोटे बच्चे यहाँ-वहाँ खेलते रहते हैं। ये कूड़ा उनके लिए टाइफाइड, हैज़ा, दस्त, इत्यादि बीमारियों का कारण भी बन सकता है। हमारे क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों का ध्यान हमने इस तरफ दिलाने की बहुत कोशिश की परन्तु वे इस तरफ़ कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। हमने नगर निगम के कई अधिकारियों को भी इस स्थिति से अवगत कराया परन्तु स्थिति में कुछ परिवर्तन नहीं हुआ है। हमारे लिए अब आप ही अंतिम उम्मीद हैं।

अत: आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस क्षेत्र में आएँ और स्वयं यहाँ कि सफाई व्यवस्था की अनदेखी को अपनी आँखों से देखें। इस क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों को उचित आदेश दें और हमारे क्षेत्र को इस गंदगी से मुक्त कराएँ।

धन्यवाद

भवदीय

सोहन

सचिव

मोहल्ला सुधार समिति,

छुट्टियाँ स्वीकृत करवाने व जुर्माना माफ़ करवाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

कक्षा: ....

दिनांक:............

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय,

राजकीय उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय,

विकास पुरी,

नई दिल्ली।

विषय: पंद्रह दिन विद्यालय से अनुपस्थित होने पर अवकाश स्वीकृति व जुर्माना माफ़ करवाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि मेरा नाम शांति है। मैं कक्षा नौवीं 'ए' की छात्रा हूँ। विगत कुछ दिनों से मेरी माँ की तबीयत बहुत खराब थी। उनकी बिगड़ती तबीयत के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घर में और कोई नहीं होने के कारण मुझे अपनी माताजी के साथ अस्पताल में रुकना पड़ता था।

चिकित्सक द्वारा उन्हें तीन दिन बाद घर भेज दिया गया था। परन्तु उन्होंने माताजी को घर पर रहकर पूरा आराम करने के लिए कहा था।

माताजी की देखभाल की ज़िम्मेदारी मेरे सर पर आन पड़ी। अत: मैं पंद्रह दिन विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकी। अपने नहीं आने की सूचना मैंने अपनी अन्य सहपाठी द्वारा भिजवा दी थी। लेकिन अध्यापिका के अनुसार आपकी स्वीकृति के बिना मेरे अवकाश स्वीकार नहीं किए जाएँगे। उसके लिए मुझसे एक हज़ार का जुर्माना वसूला जाएगा। अत: आपसे विनम्र प्रार्थना है कि मेरे पंद्रह दिनों के अवकाश को स्वीकृति दे दी जाए और मेरा जुर्माना भी माफ़ कर दिया जाए। मेरे यह अवकाश दिनांक .... से दिनांक .... तक के हैं। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,

शांति

विद्यालय में खेल-सामग्री मँगवाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक: ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय,

राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय,

कालकाजी,

नई दिल्ली

विषय: खेल-कूद के सामान की उचित व्यवस्था करने के लिए पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे विद्यालय में खेल-कूद के सामान की कमी की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले वर्ष फुटबाल खेलते समय उसमें प्रयोग होने वाला नेट खराब हो गया था। हमारे पास क्रिकेट खेलने के लिए नई किट नहीं है। टेनिस के लिए बॉल नहीं है। हमारे पास खेल-कूद का जो भी समान उपलब्ध है या तो वह बहुत पुराना है या फिर पुरी तरह खराब हो चुका है।

इसके बारे में हमने कई बार अपने खेल-कूद प्रशिक्षक को सूचित किया था। परन्तु उन्होंने इस विषय में अपनी असमर्थता ही जताई। खेल-कूद की सामग्री न होने से हमारी आगामी खेल-कूद प्रतियोगिता पर बुरा असर पड़ सकता है। यदि यही हाल रहा तो इस प्रतियोगिता में हमारा प्रदर्शन बेकार होगा।

आपसे निवेदन है कि आप हमारे लिए खेल-कूद की नई साम्रगी मँगवाने की कृपा करेंगे ताकि समय से खेलों का अभ्यास शुरू हो सके।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी छात्र,

निलेश

कक्षा: ....

अंग्रेज़ी विषय में अध्यापक की व्यवस्था और इसकी परीक्षा स्थगित करवाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक: ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

नवोदय विद्यालय,

गीता कलोनी,

नई दिल्ली।

विषय: अंग्रेज़ी विषय की परीक्षा नहीं करवाने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारी कक्षा में बहुत समय से अंग्रेज़ी विषय की पढ़ाई नहीं हो रही है।

जबसे अंग्रेज़ी के अध्यापक का स्थानांतरण हुआ है, हमारे लिए किसी दूसरे अध्यापक का प्रबन्ध नहीं किया गया है।

हमें इस विषय को समझने में कठिनाई हो रही है। हम यदि स्वयं भी पढ़ने की कोशिश करते हैं, तो हमें अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ आती है। पढ़ते समय यदि कठिन शब्द आ जाता है, तो हम कुछ नहीं कर पाते हैं। अध्यापक नहीं होने से हमारी समस्याएँ वैसी की वैसी रह जाती है। इस कारणवश हमारी पढ़ाई अंग्रेज़ी विषय में नहीं के बराबर हो रही है।

कुछ बच्चों के माता-पिता उनको स्वयं ही घर पर पढ़ा लेते हैं। कुछ बच्चों के माता-पिता ने उनके लिए घर पर ट्यूशन लगवा दी है। लेकिन हमारी कक्षा में बहुत से बच्चे ऐसे भी हैं, जिनके माता-पिता शिक्षित नहीं हैं और वे ट्यूशन की फीस भी देने में असमर्थ हैं। ऐसे बच्चों की पढ़ाई नहीं के बराबर हो रही है। आपका इस विषय में ध्यान दिलाना आवश्यक था।

आगामी माह से हमारी परीक्षाएँ आरंभ होने वाली हैं और हमारी इस विषय में कोई तैयारी नहीं है। आपसे निवेदन है कि आप हमारी परेशानी को समझेंगे और इस वर्ष इस विषय की परीक्षा नहीं करवाएंगे। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपकी आज्ञाकारी शिष्या,

स्वाति

कक्षा: …………

प्रधानाचार्य को भाई के विवाह पर आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक: ………

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

सेन्टर स्कूल,

मूलचंद,

नई दिल्ली

विषय: भाई के विवाह पर आमंत्रित करने हेतु पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि मेरे बड़े भाई का विवाह दिनांक ………… को तय हुआ है। मेरी और मेरे परिवार की हार्दिक इच्छा है कि आप मेरे बड़े भाई के विवाह के शुभ अवसर पर पधार कर अपना आर्शीवाद अवश्य दें। मेरे भाई की शिक्षा-दीक्षा की ज़िम्मेदारी उठाकर आपने ही उसे एक योग्य व्यक्ति बनाया है।

आज उनके जीवन के इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपका आर्शीवाद उनके आने वाले जीवन को कल्याणकारी बना देगा। इस विवाह समारोह में भाग लेने के लिए मेरा पूरा परिवार आपको आमंत्रित करता है। बारात हमारे निवास स्थान मसूरी से चार अप्रैल को सायं छह बजे धनहोल्टी के लिए प्रस्थान करेगी।

कार्यक्रम की जानकारी इस प्रकार है-

सेहरा बँधी - 4 अप्रैल सायं 5 बजे

बारात प्रस्थान - 4 अप्रैल सायं 6 बजे

प्रीतिभोज - 4 अप्रैल सायं 8 बजे

विदाई - 5 अप्रैल प्रातकाल 5 बजे

आशा है कि आप विवाह में अवश्य आएँगे। हम आपके दर्शनों के अभिलाषी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

सचिन

कक्षा: ....

सहपाठी के साहसिक कार्य के लिए उसे पुरस्कृत करवाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक:...........

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय,

सेवा नगर,

नई दिल्ली

विषय:सहपाठी के साहसिक कार्य की प्रशंसा और उसे पुरस्कृत करवाने हेतु पत्र।

महोदया/महोदय,

आपसे सविनय-निवेदन यह है कि हमारी कक्षा के साहसी छात्र राजीव को उसके साहसी कार्य के लिए विद्यालय की तरफ़ से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। इसके लिए हम आपसे प्रार्थना करना चाहते हैं।

कल उसके साहस के कारण ही हम सभी सहपाठियों की जान बच पाई है। कल हम चार सहपाठी विद्यालय समाप्त होने के पश्चात घर को जा रहे थे। रास्ते में सभी अपनी धुन में मस्त थे। किसी को दूर से आती हुई गाड़ी के आने का पता नहीं चला। उस गाड़ी का ब्रेक-फ़ेल हो जाने के कारण चालाक को चलाने में बड़ी असुविधा हो रही थी। राजीव हमसे थोड़ा पीछे चल रहा था। उसने स्थिति को भांप लिया। चालाक बार-बार होर्न बजा रहा था। परन्तु हम उस पर ध्यान नहीं दे रहे थे और सड़क पार करने लगे। कार हमारे बहुत नज़दीक आ गई थी। राजीव नो स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भागकर हम तीनों को एक तरफ़ धकेल दिया। परन्तु इसमें वह स्वयं को संभाल नहीं पाया और कार के उल्टी तरफ़ लगा शीशा उसके हाथ से टकरा गया। इससे उसके हाथ की हड्डी टूट गई और वह सड़क पर जा गिरा। सड़क पर गिरने से उसके सर पर भी चोंटे आईं।

श्रीमान जी यदि उसने सूझबूझ से काम नहीं लिया होता, तो आज हम सब आपके सम्मुख जीवित नहीं होते। उसने अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए हमारी जान बचाई। उसके इस साहसिक कार्य के लिए उसे पुरस्कृत किया जाना चाहिए। हमें आशा है कि आप उसके इस साहसिक कार्य को अनदेखा न करते हुए, उसे ज़रूर सम्मानित करेगें। इससे उसका और अन्य विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

सचिन

कक्षा: ....

अपनी प्रधानाचार्या जी को विद्यालय में \'बुक फेयर\' लगाने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक: ....

सेवा में,

श्रीमान/श्रीमती प्रधानाचार्य,

स्कूल का नाम...............

स्कूल का पता...............

विषय: 'बुक फेयर' लगाने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे स्कूल में समय-समय पर तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मेलों का आयोजन होता रहा है। परन्तु कभी भी 'बुक फेयर' का आयोजन नहीं किया गया है। कई स्कूलों और स्थानों पर 'बुक फेयर' का आयोजन किया जाता है। इनका उद्देश्य होता है; बच्चों में पुस्तकों के प्रति रूचि पैदा करना, उन्हें देश-विदेश तथा सभी विषयों पर अनगिनत किताबें एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना। इससे उनको पुस्तकों को नज़दीक से जानने का अवसर भी मिलता है।

इस तरह सब अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें खरीदते हैं। परन्तु हमारे लिए वहाँ जाना संभव नहीं हो पाता। आपसे सप्रेम प्रार्थना है कि हमारे स्कूल में भी इसी तरह का 'बुक फेयर' लगाया जाए, जिससे बच्चों के अन्दर पुस्तकों के प्रति रूचि उत्पन्न हो और वह अपनी पसन्द के अनुसार पुस्तकें खरीद सकें।

अत: आप हमारे स्कूल में 'बुक फेयर' लगाने की अनुमति प्रदान करें। आपके इस कदम से अनेक छात्रों को अपनी पंसद की पुस्तक खरीदने में सहायता मिलेगी और पुस्तकों की दुनिया से भी उनका परिचय होगा।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्या/शिष्य,

क.ख.ग.

कक्षा: ....